

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 10

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 5

सड़क की बात

रवींद्रनाथ ठाकुर (1861-1941)

भाग – 2

अभ्यास-माला

पल्लवी कलिता

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

बोध एवं विचार —

1. एक शब्द में उत्तर दो —

(क) गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर किस आख्या से विभूषित हैं ?

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

बोध एवं विचार —

1. एक शब्द में उत्तर दो —

(क) गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर किस आख्या से विभूषित हैं ?

उत्तर : गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर "विश्वकवि" आख्या से विभूषित है।

(ख) रवींद्रनाथ ठाकुर जी के पिता का नाम क्या था?



(ख) रवींद्रनाथ ठाकुर जी के पिता का नाम क्या था?

उत्तर : रवीन्द्रनाथ ठाकुर जी के पिता का नाम था देवेंद्रनाथ ठाकुर।

(ग) कौन-सा काव्य-ग्रंथ रवींद्रनाथ ठाकुर जी की कीर्ति का आधार-स्तंभ है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) कौन-सा काव्य-ग्रंथ रवींद्रनाथ ठाकुर जी की कीर्ति का आधार-स्तंभ है?



उत्तर : कवि शिरोमणि रवींद्रनाथ ठाकुरजी की कीर्ति का आधार–स्तंभ है उनका काव्य–ग्रंथ गीतांजलि।

(घ) सड़क किसकी आखिरी घड़ियों का इंतजार कर रही है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) सड़क किसकी आखिरी घड़ियों का इंतजार कर रही है?



उत्तर : सड़क शाप की आखिरी घड़ियों का इंतजार कर रही है।

(ङ) सड़क किसकी तरह सब कुछ महसूस कर सकती है?



(ङ) सड़क किसकी तरह सब कुछ महसूस कर सकती है?

उत्तर : सड़क अंधे की तरह सबकुछ महसूस कर सकती है।

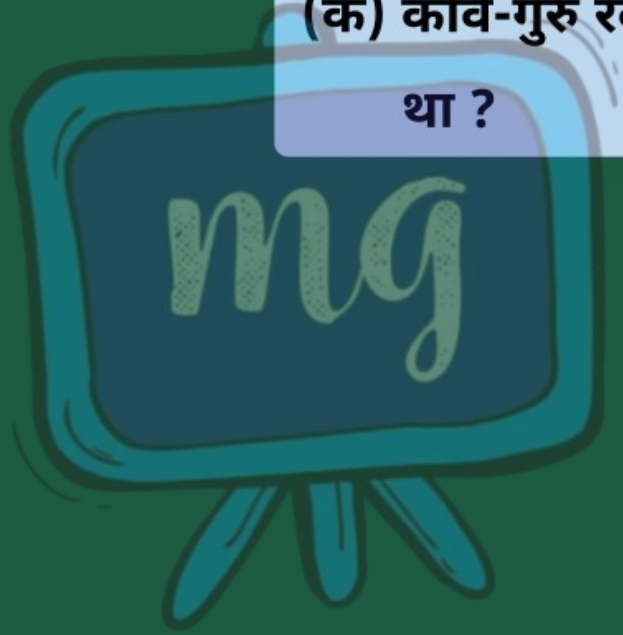


समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो —

(क) कवि-गुरु रवींद्रनाथ ठाकुर का जन्म कहाँ हुआ था ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो —

(क) कवि-गुरु रवींद्रनाथ ठाकुर का जन्म कहाँ हुआ था ?

उत्तर : कविगुरु रवीन्द्रनाथ ठाकुर का जन्म कोलकाता के जोरासाँको में हुआ था।

(ख) गुरुदेव ने कब मोहनदास करमचंद गाँधी को 'महात्मा' के रूप में संबोधित किया था?



(ख) गुरुदेव ने कब मोहनदास करमचंद गाँधी को 'महात्मा' के रूप में संबोधित किया था?

उत्तर : गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा स्थापित शैक्षिक सांस्कृतिक केन्द्र "शांतिनिकेतन में आने पर मोहन दास करमचाँद गाँधी उन्होंने "महात्मा" के रूप में संबोधित किया था।

(ग) सड़क के पास किस कार्य के लिए फुरसत नहीं है?



(ग) सड़क के पास किस कार्य के लिए फुरसत नहीं है?

उत्तर : सड़क के पास अपनी कड़ी और सूखी सेज पर एक मुलायम हरी घास या दूब डालने तथा अपने सिरहाने के पास एक छोटा सा नीले रंग का वनफूल खिलाने के लिए फुरसत नहीं है।

(घ) सड़क ने अपनी निद्रावस्था की तुलना किससे की है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) सड़क ने अपनी निद्रावस्था की तुलना किससे की है?

उत्तर : सड़क ने अपनी निद्रावस्था की तुलना चिरनिद्रित सुदीर्घ अजगर के साथ की है।

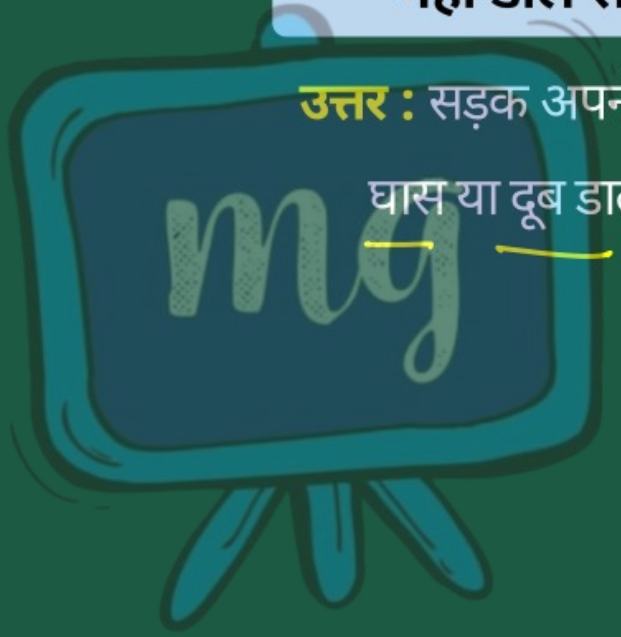
(ङ) सड़क अपनी कड़ी और सूखी सेज पर क्या नहीं डाल सकती?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) सड़क अपनी कड़ी और सूखी सेज पर क्या नहीं डाल सकती?



उत्तर : सड़क अपनी कड़ी और सूखी सेज पर मुलायम हरी घास या दूब डाल नहीं सकती।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. अति संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में) —

(क) रवींद्रनाथ ठाकुर जी की प्रतिभा का परिचय किन क्षेत्रों में मिलता है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. अति संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 25 शब्दों में) —

(क) रवींद्रनाथ ठाकुर जी की प्रतिभा का परिचय किन क्षेत्रों में मिलता है?

उत्तर : विश्व के महान व्यक्तियों में से रवीन्द्रनाथ ठाकुर जी भी एक प्रातः स्मरणीय व्यक्ति है। उनकी प्रतिभा का परिचय मुख्यतः काव्य जगत में व्यापक है। उन्होंने कई हजार कविताओं, गीतों, कहानियों, रुपकों एवं निबंध की रचना की। 'गीतांजलि ' काव्य पर उन्हें साहित्य का 'नोबेल' पुरस्कार भी मिला है। उनके द्वारा रचित 'काबुलीवाला' शीर्षक कहानी विश्व प्रसिद्ध है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

"गोरा" और "घरे-बाइरे" उपन्यास भी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। गुरु ठाकुरजी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। साहित्य क्षेत्र के अलावा वे प्रसिद्ध शिक्षाविद भी थे । समाज सुधार से लेकर चित्र, संगीत, रुपक आदि दिशाओं तक उनकी प्रतिभा का छाप है। उनके द्वारा स्थापित 'शान्तिनिकेतन' ठाकुरजी की प्रतिभा का वास्तव रूप है।

(ख) 'शांतिनिकेतन' के महत्व पर प्रकाश डालो।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) 'शांतिनिकेतन' के महत्व पर प्रकाश डालो।

उत्तर : 'शान्तिनिकेतन' कविगुरु रवीन्द्रनाथ ठाकुर जी द्वारा स्थापित एक शैक्षिक-सांस्कृतिक केन्द्र है। अभी यह केन्द्र विश्व-भारती विश्वविद्यालय के रूप में प्रसिद्ध है। भारतवर्ष के विभिन्न राज्य के अनेक विद्यार्थी उन्नत शिक्षा प्राप्त करने के लिए शांतिनिकेतन में आते हैं। यहाँ चित्रशिल्प, संगीत, नृत्य आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाता है। यह विश्वविद्यालय 'गुरुकुल' प्रणाली पर आधारित है, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है।

(ग) सड़क शाप-मुक्ति की कामना क्यों कर रही है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) सड़क शाप-मुक्ति की कामना क्यों कर रही है?

उत्तर : सड़क स्वयं को एक शाप से ग्रस्त समझती है जिस कारण वह हमेशा से स्थिर है, अविचल है। इस शाप के कारण ही वह बहुत दिनों से बेहोशी की नींद सो रही है। सड़क अपनी इस स्थिरता को समाप्त करना चाहती है। इसलिए वह शाप मुक्ति की कामना कर रही है।

(घ) सुख की घर-गृहस्थी वाले व्यक्ति के पैरों की आहट सुनकर सड़क क्या समझ जाती है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) सुख की घर-गृहस्थी वाले व्यक्ति के पैरों की आहट सुनकर सड़क क्या समझ जाती है?

उत्तर : सुख की घर-गृहस्थी वाले व्यक्ति के पैरों की आहट सुनकर सड़क यह महसूस करती है कि वे हर कदम पर सुख की तस्वीर खींचता है, आशा के बीज बोता है। अर्थात उनके जीवन में खुशियाँ ही खुशियाँ है।

(ङ) गृहहीन व्यक्ति के पैरों की आहट सुनने पर सड़क को क्या बोध होता है ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) गृहहीन व्यक्ति के पैरों की आहट सुनने पर सड़क को क्या बोध होता है ?

उत्तर : गृहहीन व्यक्ति के पैरों की आहट सुनने पर सड़क को यह बोध होता है कि उसके पदक्षेप में न आशा है, न अर्थ है, उसके कदमो में न दायाँ है, न बायाँ है, अर्थात उसके कदमो में निराशा और निरर्थकता भरा है।

(च) सड़क अपने ऊपर पड़े एक चरण-चिह्न को क्यों ज्यादा देर तक नहीं देख सकती?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(च) सड़क अपने ऊपर पड़े एक चरण-चिह्न को क्यों ज्यादा देर तक नहीं देख सकती?

उत्तर : सड़क अपने ऊपर पड़े एक चरण चिह्न को ज्यादा देर तक देख नहीं सकती; क्योंकि नए - नए पाँव आकर पुराने चिह्नों को पोंछ जाते हैं । जो चला जाता है वह तो पीछे कुछ छोड़ ही नहीं जाता। समाप्ति और स्थायित्व का अगर थोड़ा कुछ मिल भी जाए तो वह भी हजारों चरणों के तले लगातार कुचला जाकर कुछ ही देर में धूल में मिल जाता है।

(छ) बच्चों के कोमल पावों के स्पर्श से सड़क में कौन - से मनोभाव बनते हैं ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(छ) बच्चों के कोमल पावों के स्पर्श से सड़क में कौन - से मनोभाव बनते हैं ?

उत्तर : बच्चों के कोमल पावों के स्पर्श से सड़क बहुत दुःखी अनुभव करती है। वह अपने - आपको कठिन महसूस करती हैं; क्योंकि उन बच्चों के पाँव अत्यंत कोमल होते हैं। उस समय सड़क को कुसुम कली की तरह कोमल होने की इच्छा होती है, ताकि सड़क पर चलने में या खेलने-कूदने में कोई कठिनाई न हो ।

(ज) किसलिए सड़क को न हँसी है, न रोना ?



(ज) किसलिए सड़क को न हँसी है, न रोना ?

उत्तर : सड़क को इसलिए न हँसी है और न रोना; क्योंकि उस पर ही अमीर और गरीब, जन्म और मृत्यु सब कुछ प्रतिदिन नियमित रूप से चलता रहता है। यद्यपि सड़क अपने को सुख दुःख से परे रखती है और खुद-अकेली पड़ी रहती है, बेहोशी की तरह।

(झ) राहगीरों के पाँवों के शब्दों को याद रखने के संदर्भ में सड़क ने क्या कहा है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(झ) राहगीरों के पाँवों के शब्दों को याद रखने के संदर्भ में सड़क ने क्या कहा है?

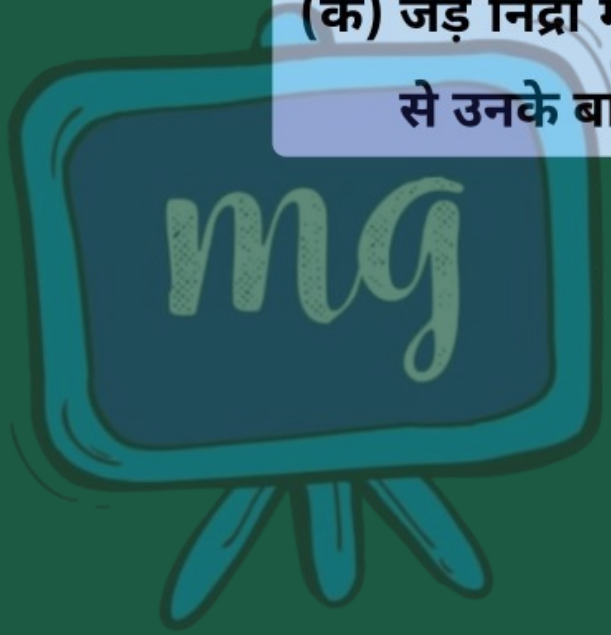
उत्तर : राहगीरों के पावों के शब्दों को याद रखने के संदर्भ में सड़क कहती है कि उस पर निरंतर अनेक चरण चलते रहते हैं। किसी भी चरण स्पर्श में स्थायित्व नहीं रहती। सड़क कहती है कि वह सबको भली - भाँति पहचानती है; पर याद नहीं रख पाती कि वे कहाँ चले जाते है और फिर वापस नहीं आते। फिर भी दो - एक कोमल स्पर्श जो पिता के आशीर्वाद और माता के स्नेह से भरा हुआ हो और सड़क की धूल को अपना घर बना लेते हो-सिर्फ उन पाँवो की याद कभी आ जाती है। पर इनके लिए शोक या संताप करने की घड़ी सड़क के पास नहीं है ।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में) —

(क) जड़ निद्रा में पड़ी सड़क लाखों चरणों के स्पर्श से उनके बारे में क्या-क्या समझ जाती है ?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. संक्षिप्त उत्तर दो (लगभग 50 शब्दों में) —

(क) जड़ निद्रा में पड़ी सड़क लाखों चरणों के स्पर्श से उनके बारे में क्या-क्या समझ जाती है ?

उत्तर : जड़निद्रा में पड़ी सड़क लाखों चरणों के स्पर्श से यह महसूस करती है कि कौन लोग घर जा रहा है, कौन परदेश जा रहा है, कौन काम से जा रहा है, कौन आराम करने जा रहा है। कौन उत्सव में जा रहा है और कौन श्मशान को जा रहा है। वह अपने ऊपर से गुजरने वाले लोगों की सुख-दुख की कहानी पढ़ लेती है। वह जानती है कि चरणों के नए स्पर्श पुराने स्पर्श को मिटा देता है।

सड़क यह भी महसूस करती है कि लोग उसके ऊपर से ही लक्ष्य की और चलते है पर उसके प्रति कभी भी कृतज्ञता का भाव प्रकट नहीं करता, बल्कि तिरस्कार ही करता है ।



(ख) सड़क संसार की कोई भी कहानी क्यों पूरी नहीं सुन पाती?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) सड़क संसार की कोई भी कहानी क्यों पूरी नहीं सुन पाती?

उत्तर : सड़क सैकड़ों, हजारों वर्षों से लाखों-करोंड़ों लोगों की हँसी, गीत, और बातें सुनती आई है। पर कोई भी कहानी को पूरा नहीं सुन पाती है। इसका कारण यह है कि किसी आदमी की थोड़ी सी बात सुनने के बाद जब सड़क दोबारा कान लगाती है, तो वह आदमी ही वहाँ से चला जाता है । इससे यह साबित होता है कि सड़क के जीवन में जो स्थिरता है वह स्थिरता मनुष्य जीवन में नहीं है।इसलिए सड़क के पास टूटी-फूटी बातें और बिखरे हुए गीत अनेक है, मगर कोई पूरी कहानी नहीं हैं।

(ग) “मैं किसी का भी लक्ष्य नहीं हूँ। सबका उपाय मात्र हूँ।" सड़क ने ऐसा क्यों कहा है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) "मैं किसी का भी लक्ष्य नहीं हूँ। सबका उपाय मात्र हूँ।" सड़क ने ऐसा क्यों कहा है?

उत्तर : सड़क को यही संताप सताता रहता है कि कोई भी लोग उस पर कदम रखना नहीं चाहता, प्रसन्नतापूर्वक खड़ा रहना पसन्द नहीं करता। सड़क परम धैर्य के साथ किसी को उनके घर के द्वार तक पहुँचाती है, तो किसी को उत्सव की जगह और किसी को श्मशान पहुँचाती है। मगर इसके बदले लोग उसे तिरस्कार ही करते है। इसलिए सड़क कहती है कि मैं किसी का भी लक्ष्य नहीं, सबका उपाय मात्र हूँ।

(घ) सड़क कब और कैसे घर का आनंद कभी-कभी महसूस करती है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) सड़क कब और कैसे घर का आनंद कभी-कभी महसूस करती है?

उत्तर : सड़क कभी - कभी घर का आनन्द महसूस करती है। जब छोटे - छोटे बच्चे हँसते - हँसते उसके पास आते हैं और शोरगुल मचाते हुए उसके पास आकर खेलने लगते हैं, तब वह महसूस करती है कि वे धूल में पिता का आशीर्वाद और माता का स्नेह और प्यार छोड़ जाते हैं। वे धूल को ही अपने वश में कर लेते है और कोमल हाथों से हौले-हौले थपकियाँ दे-देकर उसे सुलाना चाहते हैं। अपना निर्मल हृदय लेकर बैठे-बैठे वे उसके साथ बातें करते हैं।

(ङ) सड़क अपने ऊपर से नियमित रूप से चलने वालों की प्रतीक्षा क्यों करती है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ङ) सड़क अपने ऊपर से नियमित रूप से चलने वालों की प्रतीक्षा क्यों करती है?

उत्तर : सड़क अपनी ऊपर से नियमित रूप से चलने वालों को अच्छी तरह पहचानती है। वह कल्पना करती है कि किस प्रकार एक थका हुआ व्यक्ति संध्या समय आकाश की भाँति म्लान दृष्टि से किसी के मुँह की ओर देख घर लौटता है। सड़क उसे घर तक पहुचाने में मदद करती है। नियमित रूप से चलने वालों के साथ सड़क की आत्मीयता गहरी होती है तथा वह उनका बेसब्री से इंतजार करती रहती है ।